भारतात्मा अशोकजी सिंघल उत्कृष्ट वेदविद्यार्थी पुरस्कार-२०२३

आवेदन हेतु आवश्यक दिशानिर्देश

सिंघल फॉउण्डेशन द्वारा विजेता के आंकलन का मूल आधार आपका आवे दन पत्र ही है। इसलिए आप आवेदन-पत्र में मांगी गई सभी जानकारी सोच-समझकर पूर्ण रूप से भरें। यदि कोई भी जानकारी अधूरी अथवा अपूर्ण रही तो आपका स्थान आंकलन में पिछड़ सकता है।

आवेदनपत्र भरने से पूर्व आवेदन हेतु योग्यताओं/नियमों एवं दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझ लें।

विद्यार्थी योग्यता के मानदण्ड

वर्तमान में आपका श्रुति परम्परा से वेद का पूर्णकालिक विद्यार्थी होना आवश्यक है। यदि आप वर्तमान में केन्द्र/राज्य सरकार, न्यास, मठ, कुमाराध्यापक या गुरु द्वारा सञ्चालित गुरुकुल, वेदविद्यालय, महाविद्यालय, गुरुगृह आदि में श्रुति परंपरा से वेदाध्ययन कर रहे हैं और वेदाध्ययन के अलावा कुछ नहीं करते हैं तो आपकी पात्रता है। यदि वर्तमान में आप वेदाध्ययन छोड़कर शास्त्र इत्यादि की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं तब आप अयोग्य हैं।

यदि आप उपर्युक्त परिभाषा से विद्यार्थी हैं तब आपको भारतात्मा पुरस्कार के निम्नलिखित सभी योग्यता मानदण्डों को पूरा करना आवश्यक है। यदि इनमें से एक भी मानदण्ड आप पूरा नहीं करते हैं तो आपकी पात्रता नहीं है। यदि आपके मन में इन मानदंडों के पूरा होने में कोई सन्देह है, तब आप अपना आवेदन यथायोग्य पूरा भरकर अवश्य भेजें, सिंघल फॉउण्डेशन उसका आंकलन करते समय आपसे संपर्क कर आपके आवेदन पत्र को संशोधित कर लेगा।

1. आपने न्यूनतम "स्तर-१" की योग्यताएँ प्राप्त कर ली हैं। नीचे सभी वेदों की समकक्षता की सारणी दी हुई है, उस सारणी के अनुसार अपनी योग्यता का स्तर जाँच लें।
2. वेदविद्या के आरम्भ (संहिता/मूलांत) स आपके वर्तमान वैदिक योग्यता स्तर तक की सभी परीक्षाओं को उत्तीर्ण होने के स्पष्ट अभिलेख (रिकॉर्ड) आपके पास होने चाहिए।
3. आप पूर्व में उत्कृष्ट विद्यार्थी श्रेणी में विगत तीन वर्षों में भारतात्मा अशोकजी सिंघल वैदिक पुरस्कार के विजेता नहीं रहे हैं। केवल पूर्व विगत तीन वर्षों के विजेता ही अपात्र माने जाएँगे, पूर्व आवेदक या विगत तीन वर्षों में साक्षात्कार चरण में पहुँचने वाले विद्यार्थी आवेदन के लिए पात्र हैं।

*वेदाध्ययन समकक्षता सूची

अध्ययन स्तर	ऋग्वेद	कृष्ण यजुर्वेद	शुक्ल यजुर्वेद	सामवेद	अथर्ववेद
स्तर-1	क्रमपाठ	क्रमपाठ	क्रमपाठ	सम्पूर्ण आर्चिक संहिता, प्रकृतिगान से महानाम तक, सम्पूर्ण छान्दोग्यमन्त्र ब्राह्मण	सम्पूर्ण अथर्ववेद संहिता, गोपथ ब्राहमण,मुण्ड, माण्डुक्य उपनिषद्, माण्डुकीशिक्षा कौशिक गृह्यसूत्र, वैखानस श्रौतसूत्र
स्तर-2	घनपाठ	घनपाठ	घनपाठ (बृहदारण्यक के साथ)	सामवेद संहिता के पूर्वार्चिक और उत्तरार्चिक का सम्पूर्ण पदपाठ, ऊहगान, रहस्यगान और सम्पूर्ण छान्दोग्योपनिषद्	उपर्युक्त और अथर्वज्योतिष, कौश्यनिघण्टु, पिङ्गलनागछन्दसूत्र, अष्टाध्यायी, संहिता पञ्चलक्षणभाष्य

आवेदन-पत्र भरने सम्बन्धित विशेष जानकारी

1. आपके आवेदन का उचित रूप से मूल्याङ्कन करने के लिए आवेदन-पत्र में आपके सम्बन्धित व्यापक किन्तु आवश्यक जानकारी मांगी गई है। ये सभी जानकारी आपके आवेदन का आंकलन करने के लिए आवश्यक है। पूरी जानकारी और सभी अभिलेख(प्रतिलिपि)/प्रमाण(प्रतिलिपि)/अनुबन्ध संलग्न करना आवश्यक है।
2. आपका आवेदन-पत्र सिंघल फॉउण्डेशन के कार्यालय में **३० जून २०२३ सांयकाल ८ बजे** तक पहुँच जाना चाहिए। विलम्ब से प्राप्त आवेदन इस वर्ष के पुरस्कार हेतु नहीं लिए जाएँगे। आवेदन नीचे दिए गए पते पर डाक या कूरियर अथवा नीचे दिए गए email ID पर ई-मेल से भेजे जा सकते हैं। आवेदन प्राप्त होने पर आपको SMS/ email द्वारा सूचना भेजी जाएगी।
3. सिंघल फॉउण्डेशन का सम्पूरण कार्य हिन्दी में होता है इसलिए आवेदन-पत्र हिन्दी में ही भरे। यदि आप आवेदनपत्र हस्तलेखन से भर रहे हैं तो लिखाई स्पष्ट हो। आप चाहें तो आवेदनपत्र निर्धारित प्रारूप में हिन्दी में टाईप करके भी भेज सकते है। आवेदन-पत्र में किसी प्रकार की त्रुटि एवं काटछाँट न हो तथा प्रत्येक कॉलम में चाही गई जानकारी पूर्ण एवं स्पष्ट हो।
4. आवेदन-पत्र में प्रश्न आ-४, आ-७, आ-८ में आपसे विभिन्न प्रमाणपत्र मांगे गए हैं। कृपया प्रत्येक प्रमाणपत्र की फोटोकॉपी ही आवेदन के साथ भेजें। मूल (ऑरिजनल) प्रमाण-पत्रों को आवेदन के साथ नहीं भेजें। किसी के मूल प्रमाण-पत्र को वापस लौटाने का दायित्व सिंघल फॉउण्डेशन का नहीं होगा।
5. आवेदन-पत्र से संलग्न कोई प्रमाण-पत्र, सर्टिफिकेट, मार्कशीट इत्यादि, यदि हिन्दी, संस्कृत या अंग्रेजी में न होकर किसी अन्य भाषा/लिपि में हो तो कृपया उस प्रमाण-पत्र का विषय, विद्यार्थी का नाम व प्रमाणपत्र की तारीख का हिन्दी/English अनुवाद उसकी फोटोकॉपी पर लिख दें। इससे सिंघल फॉउण्डेशन द्वारा आंकलन में गलती होने की सम्भावना घटेगी।
6. सभी जानकारी शब्दों अथवा अंकों में ही हो, रेखा या बिन्दु में नहीं हो। कोई भी आवश्यक कॉलम खाली नहीं छोड़ा जाए। आवेदन-पत्र में निर्धारित स्थान के अलावा अन्य किसी भी स्थान पर नाम, पता, सम्पर्कसंख्या अथवा किसी भी प्रकार का पहचान चिह्न अंकित नहीं करें।
7. आवेदनपत्र का भाग 'उ' और 'ऊ' आपके वर्त्तमान में जो भी गुरूजी हैं, उनके द्वारा भरा जाना है। यदि आवेदन-पत्र में यह भाग पूरा नहीं भरा गया है तो आवेदन अयोग्य माना जाएगा।
8. भाग 'ई' दिए गए शपथ-पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझने के बाद ही हस्ताक्षर करें।
9. भाग 'ए' में आवेदन के साथ भेजे जा रहे सभी अनुबन्ध, प्रमाण-पत्र, सर्टिफिकेट, मार्कशीट इ. (attachments) की सूची बनाएँ। ऐसा करने से आवेदन-पत्र की पूर्णता प्राप्त होने पर जांची जा सकती है।
10. आवेदन भेजने के बाद यदि आपके अथवा आपके गुरूजी के पते, मोबाईल न. या email ID में कोई परिवर्तन हो तो सिंघल फॉउण्डे शन को अविलम्ब सूचित करें। सूचना नीचे दिए गए मोबाईल नं० पर SMS या email ID पर email द्वारा भेजी जा सकती है। मौखिक जानकारी स्वीकार नहीं होगी।
11. Email से आवेदन भेजने के लिए पूरे आवेदन-पत्र व सभी अनुबन्ध को scan कर pdf file बनाएँ। ध्यान रहे कि pdf file ३ MB से बड़ी न हो। यदि बड़ी है तो एक से अधिक pdf file बनाएँ। इस pdf file को applications@bharatatmapuraskar.org पर या व्हात्सप्प नं० +91 73576 58777 पर भेजें।
12. Registered post, Speed post अथवा Courier से आवेदन-पत्र निम्न पते पर भेजें। यदि Courier से भेज रहे हैं तो निम्न फोन न. देना ना भूले।

सिंघल फॉउण्डेशन C/O सिक्योर मीटर्स लिमिटेड ई क्लास प्रताप नगर इण्डस्ट्रियल एरिया उदयपुर, राजस्थान-३१३००१	Singhal Foundation C/O Secure Meters Ltd E Class Pratap Nagar Industrial Area Udaipur, Rajasthan-313001
फोन न. +91 73576 58777	Phone N. +91 73576 58777

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद पुरस्कार-२०२३	उत्कृष्ट वेदविद्यार्थी आवेदन-पत्र	पृष्ठ संख्या १ / कुल पृष्ठ ७
		कोड क्रमांक

(अ) व्यक्तिगत जानकारी

१) नाम		२) आधारकार्ड सं०	
३) जन्म-तिथि		४) जन्म-स्थान	
५) पिता का नाम		६) माता का नाम	
७) ऋषि-गोत्र		८) स्ववेदशाखा	
९) पत्राचार हेतु पता-		१०) स्थायी/पितृ गृह का पता-	
पिन कोड		पिन कोड	
११) मोबाईल न०		१२) ईमेल आईडी	

११) आवेदन सम्बन्धित चर्चा आपसे किस भाषा में की जाए?	☐ हिन्दी	☐ संस्कृतम्	☐ English

१३) भाई/बहनों का विवरण (आयु क्रम से)

नाम	भाई/बहन	आयु	क्या वेदाध्ययन किया है/कर रहे हैं?	अगर हाँ तो किस स्तर पर?

१४) वर्तमान गुरुजी का नाम		१५) मोबाईल न०	

१६) पासपोर्ट फोटो यहाँ लगाएँ	केवल सिंघल फाउण्डेशन कार्यालय के लिये			
	आवेदन प्राप्ति दि०		अन्य टिप्पणी:	
	आवेदन जाँच दि०			
	जाँच अधिकारी			
	कोड क्रमाङ्क			
	डेटाबेस रिकॉर्ड न०		योग्यता प्राप्त है	योग्यता अप्राप्त है

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद पुरस्कार-२०२३	**उत्कृष्ट वेदविद्यार्थी आवेदन-पत्र**	**पृष्ठ संख्या २ / कुल पृष्ठ ७** कोड क्रमांक

(आ) शैक्षिक जानकारी

१) अधीत वेद		२) अधीत वेदशाखा	

३) यदि एक से अधिक वेद अथवा वेदशाखा का अध्ययन किया है तो वेद व वेदशाखा के नाम	

४) वेदाध्ययन का क्रम व उत्तीर्ण परिक्षाएं: यदि किसी एक स्तर पर एक से अधिक बार, अलग-अलग संस्थाओं में परीक्षा दी है, तो काल क्रम में सभी परीक्षाओं का विवरण दीजिये। यदि एक से अधिक वेद/शाखा का अध्ययन किया है, तो स्ववेदशाखा अध्ययन का विवरण देने के बाद अन्य अध्ययन का विवरण दीजिये।

माह व वर्ष	क्रिया / उत्तीर्ण परीक्षा	परीक्षा बोर्ड	श्रेणी	सं०प्रमाण क्रमांक
	उपनयन संस्कार	x	x	
	संहिता अध्ययन प्रारम्भ	x	x	
	मूलान्त परीक्षा			

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद पुरस्कार-२०२३	उत्कृष्ट वेदविद्यार्थी आवेदन-पत्र	पृष्ठ संख्या ३ / कुल पृष्ठ ७
		कोड क्रमांक

५) अपने गुरुजन व गुरुकुल के नाम जहाँ आपने अध्ययन किया

अवधि (माह / वर्ष)		गुरुजी का नाम	गुरुजी का मोबाईल न०	गुरुकुल का नाम
से	तक			

६) यदि उपर्युक्त गुरुजन में आपके निकट परिजन हों तो नाम के आगे * चिह्न लगाकर पारिवारिक सम्बन्ध का विवरण दीजिये।

७) अधीत वेद ग्रन्थों का विवरण: अधीत वेदशाखा के उन सभी ग्रन्थों का वर्णन कीजिये जिनका अध्ययन कर आप परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं। यदि किसी ग्रन्थ का अध्ययन कर रहे हैं, परन्तु परीक्षा शेष है, तो उसका भी उल्लेख कीजिये। अधीत वेदशाखा के अलावा किसी अन्य वेद,शाखा या ग्रन्थ का अध्ययन किया है, तो अन्त में ऐसे सभी ग्रन्थों का विवरण दीजिये।

क्रंम संख्या	ग्रन्थ का नाम	अधययन अवधि (माह/वर्ष)		परीक्षा माह / वर्ष	परीक्षा प्रमाणपत्र संलग्नक्र०
		आरम्भ	समाप्त		

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद पुरस्कार-२०२३	उत्कृष्ट वेदविद्यार्थी आवेदन-पत्र	पृष्ठ संख्या ४ / कुल पृष्ठ ७
		कोड क्रमांक

८) आपके द्वारा अर्जित पुरस्कार / सम्मानों का विवरण: (कालक्रम में लिखें)

माह / वर्ष	पुरस्कार का नाम	प्रदाता का नाम	प्रमाणपत्र संलग्न क्र०

(इ) सामान्य जानकारी

१) क्या आप विवाहित हैं?		२) क्या आप दण्ड धारण करते हैं?	
३) आप दिन में कितनी बार सन्ध्यावन्दन करते हैं?		४) आप कहाँ रहते हैं? (एक चुनें)	गुरुकुल / गुरुगृह / पितृगृह
५) क्या आप नित्य अग्निकार्य / अग्निहोत्र / समिद्होम करते हैं? यदि हाँ तो दिन में कितनी बार?		६) क्या आप नित्य योगाभ्यास करते हैं?	
७) गुरुकुल में अपनी दिनचर्या का वर्णन कीजिये			
८) आप किस स्तर तक वेदाध्ययन करना चाहते हैं?		९) क्या आप पौरोहित्य / अर्चकत्व में रुचि रखते हैं?	
१०) आप बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं?		११) आप कौनसा व्यवसाय आजीविका के रूप में करना चाहते हैं?	

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद पुरस्कार-२०२३	उत्कृष्ट वेदविद्यार्थी आवेदन-पत्र	पृष्ठ संख्या ५ / कुल पृष्ठ ७
		कोड क्रमांक

१२) वेदाध्ययन के साथ आपने किसी अन्य उपक्रम में सहयोग दिया है? उल्लेख कीजिये:

उपक्रम का नाम	आयोजक	स्थान	वर्ष

१३) आपको यह पुरस्कार क्यों दिया जाए? सप्रमाण पाँच प्रमुख कारण बतायें। (अपना उत्तर दी गई जगह तक ही सीमित रखें)	

(ई) आवेदक द्वारा दिया गया शपथपत्र

मैं (आवेदक का पूरा नाम) _____ एतद् द्वारा सत्यनिष्ठा से यह प्रमाणित करता हूँ कि:
-मैं वेद विद्या का वर्तमान में पूर्णकालिक विद्यार्थी हूं;
-इस आवेदनपत्र में दी गई सभी जानकारी (ई १२ को छोड़कर) पूर्णतया सत्य हैं;
-प्रश्न सं० ई-१२ का उत्तर मेरी व्यक्तिगत राय हैं:
-इस आवेदन से संलग्न सभी अनुबन्धों व प्रमाण पत्रों में दी गई जानकारी सत्य है।

मैं स्वीकार करता हूँ कि यदि यह शपथ-पत्र असत्य पाया गया तो मैं सदा के लिए भारतात्मा पुरस्कार के लिये अयोग्य माना जा सकता हूँ। मैंने सभी तथ्यों की पुष्टि करने के बाद इस प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर किये हैं।

मैं इस शपथपत्र पर हस्ताक्षर करने के महत्व व निहितार्थ को पूरी तरह से समझता हूँ।

आवेदक का पूरा नाम		आवेदक के हस्ताक्षर		स्थान	
				दिनांक	

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद पुरस्कार-२०२३	**उत्कृष्ट वेदविद्यार्थी आवेदन-पत्र**	पृष्ठ संख्या ६ / कुल पृष्ठ ७
		कोड क्रमांक

(३) आपके वर्तमान गुरुजी द्वारा दी गई जानकारी

१) गुरुजी का नाम		२) गुरुजी का उच्चतम शिक्षास्तर (प्रमाणपत्र यदि हो तो, संलग्न कीजिये)	
३) क्या आवेदक का आचरण वेदानुकूल रहा है, अपनी टिप्पणी दीजिये।			

४) आवेदक ने जिस-जिस स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की हैं, उन सभी विकृति पाठ / गान को क्या आपने आवेदक से आद्योपान्त सुना है? यदि हाँ तो क्या आप सन्तुष्ट हैं कि आपका शिष्य उस स्तर के पाठ में पूर्णतया निपुण है?

शिक्षा स्तर / विकृति / गान	आवेदक से आद्योपान्त सुना है		आवेदक की निपूर्णता पर टिप्पणी
संहिता पाठ	☐ हाँ	☐ नहीं	
पद पाठ	☐ हाँ	☐ नहीं	
	☐ हाँ	☐ नहीं	
	☐ हाँ	☐ नहीं	
	☐ हाँ	☐ नहीं	
	☐ हाँ	☐ नहीं	
	☐ हाँ	☐ नहीं	
	☐ हाँ	☐ नहीं	
	☐ हाँ	☐ नहीं	
	☐ हाँ	☐ नहीं	

ऊ) आवेदक के गुरुजी द्वारा दिया गया शपथपत्र

मैं (आवेदक के गुरुजी का पूरा नाम) _____एतद् द्वारा सत्यनिष्ठा से यह प्रमाणित करता हूँ कि: (आवेदक का नाम) _____ वर्तमान में मेरा पूर्णकालिक शिष्य है;
-इस आवेदन पत्र में दी गई सभी जानकारी पूर्णतया सत्य हैं:
-इस आवेदन से संलग्न सभी अनुबन्धों व प्रमाणपत्रों में दी गई जानकारी सत्य है।

मैं स्वीकार करता हूँ कि यदि यह शपथपत्र असत्य पाया गया तो मैं व मेरे सभी शिष्य हमेशा के लिये भारतात्मा पुरस्कार के लिये अयोग्य माने जा सकते हैं।

मैंने सभी तथ्यों की पुष्टि करने के बाद इस शपथपत्र पर अपने हस्ताक्षर किये हैं। मैं इस शपथपत्र पर हस्ताक्षर करने के महत्व व निहितार्थ को पूरी तरह से समझता हूँ।

गुरुजी का पूरा नाम		गुरुजी के हस्ताक्षर		स्थान	
				दिनांक	

भारतात्मा अशोकजी सिंघल वेद पुरस्कार-२०२३	**उत्कृष्ट वेद विद्यार्थी आवेदन पत्र**	पृष्ठ संख्या ७ / कुल पृष्ठ ७
		कोड क्रमांक

ए) आवेदन से संलग्न अनुबन्ध

आवेदनपत्र के साथ संलग्न प्रमाणपत्र की प्रतिलिपियों का विवरण(प्रमाणपत्र का नाम यथा- शास्त्री, आचार्य, संहिता, पद, क्रम, घन....)देते हुए संलग्न क्रमसंख्या(जिस क्रम पर प्रतिलिपि संलग्न की गई है) का उल्लेख करें-

क्र०सं०	वर्ष	प्रमाण-पत्र का विवरण	संलग्नपृष्ठसंख्या